

पाँच लक्षों का फिंरा तेरा यही जल जगा है यही जल.....॥२॥

(१) मैं के गर्म में आकर के उल्टे दंगे भाई जाना है-----  
 सम पूरा हुआ अब तेरा तुम्हें धरती पर आना है-----  
 जाना है समी----- तुम्हें धरती-----  
 पांच तख्त-----

४) मैंने सीने से लगाकर के तुम्हें दूध पिलाया है तुम्हें दूध ..... ॥२॥  
 दिया दूध ने जीवन तुम्हें ..... इसकी कीमत चुकाना है ..... मैंने जो पिलाया है  
 जाना है स्वामी ..... पांच तत्वों .....

(३) खेला बचपन में जीमर के तब आई जवाना है तब आई... ॥२॥  
 इसके दोह दिखा सबको ये ही नेकी का खजाना है ये ही नेकी... ॥३॥  
 जाना है सभी पाँच तत्वों

(४) दोलत के दरिन्दों ने इमान को हँसे चा इमान है --- मगान को --- ॥२॥  
और की अदालत में इन्हें सर को मुकामा है इन्हें सर को --- ॥२॥  
जोना है समा पांच तत्त्वों

(4) "श्रीबालाश्री" ने तो दिल में ये ठान लिया दिल में --- अपने दिम में ---  
इंसान के भीतर से सत्ता को मगाना है हवन को सत्ता को ---  
जाना है सभी को बन्दे बस मोत इक बहना है बस मोत इक ---  
पाँच तत्वों का पिंजरा तो यही जल जाना है यही जल --- ॥२॥